खंड ३ संख्या ३२

10580
2

सत्यमेव जयते

बिहार विधान सभा वादवृत्त

सरकारी रिपोर्ट

बुधवार, तिथि १४ मार्च, १९५१।

The Bihar Legislative Assembly Debates

OFFICIAL REPORT

Wednesday, the 14th March, 1951.

अधीक्षक, राजकीय मुद्रणालय, बिहार,
पटना,
१९५२

[मूल्य—६ आने]
[Price—Annas 6.]

बिहार विधान सभा वादवृत्त

बुधवार, तिथि ९ मई, १९५१

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में बुधवार, तिथि ९ मई, १९५१ को पूर्वाह्न ११ बजे माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर।

SHORT NOTICE QUESTIONS AND ANSWERS.

माननीय अध्यक्ष—आज के सभी अल्प-सूचना प्रश्न माननीय राजस्व मंत्री और माननीय मुख्य मंत्री के नाम से हैं। माननीय राजस्व मंत्री ने मुझे तार द्वारा सूचित किया है कि वे समय पर न आ सकेंगे और इसलिए उन्होंने प्रार्थना की है कि उनके सभी प्रश्न आज स्थगित कर दिये जायें। मैं उनके सभी अल्पसूचना तथा साधारण प्रश्नों को कल के लिए स्थगित कर देता हूं।

तारांकित प्रश्नोत्तर।

STARRED QUESTIONS AHD ANSWERS.

SECRET OF RICE.

A *115. **Shri RAJKISHORE SINGH** : Will the Hon'ble the Minister in charge of the Supply and Price Control Department be pleased to state—

(*a*) whether the attention of the Government has been drawn to an article published in a weekly paper of Ranchi, dated the 25th July, 1950 at page 3 under the caption—

"सरकारी रुपए से गुलछर्रे, मानभूम का एक कलुषित प्रकरण, चावल का भीतरी रहस्य";

(*b*) if the answer to clause (*a*) be in the affirmative, the action Government have taken in this matter?

Hon'ble Shri JAGLAL CHAUDHURY : (*a*) The answer is in the affirmative.

(*b*) The facts have not been correctly reported. Advance was paid to the purchasing agents against purchase reports after necessary verification. This verification could not naturally be infallible. To ensure against such errors security deposits had been taken from purchasing agents. At the time of making despatches shortages were found, which have all been made up by the agents, except a quantity of about 5,000 maunds of rice, which is still outstanding. The licenses of the purchasing agents concerned have been cancelled,

A—Postponed from the 23rd January and 27th April 1951 (as a special case).

कारण यह है कि इसकी प्रथम बैठक ३ अप्रैल १९५१ को हुई और दूसरी बैठक फिर २७ अप्रैल को होगी। इसलिये अब से करीब दो महीने के पश्चात् रिपोर्ट मिलने की सम्भावना है।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता। ऊपर दे दिया गया है।

श्री महम्मद अब्दुल गनी—२७ अप्रैल को जो मिटिंग होनेवाली थी वह हुई या नहीं?

माननीय श्री जगलाल चौधरी—इसकी खबर इतनी जल्दी कैसे दी जा सकती है। अलग सूचना मिलने पर इसका जवाब दिया जा सकता है।

नारायणपुर तथा खरीक स्टेशनों में विश्रामागारों एवं नल-कुं का इन्तजाम।

C*१०९५। श्री अर्जुन प्रसाद मिश्र—क्या माननीय मंत्री, सार्वजनिक निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि ओ० टी० आर० के मेन लाइन में नारायणपुर और खरीक स्टेशनों से जिनका सिचुएशन वहां की स्थानीय स्थिति के कारण बहुत ही महत्त्वपूर्ण है, मुसाफिरों एवं माल मछलियों वगैरह का आवागमन बहुत ही अधिक मात्रा में होता है और पास में बड़ा-बड़ा बाजार है;

(ख) क्या सरकार को मालूम है कि उपरोक्त स्टेशनों में मुसाफिरों के ठहरने के लिये विश्रामागार (वेटिंग रूम) एवं पानी पीने के लिये नल-कुओं का इन्तजाम नहीं है और कुएं भी स्टेशन हाता के बाहर हैं;

(ग) क्या यह बात सही है कि विश्रामागार नहीं रहने के कारण एवं नल-कूपों का इन्तजाम नहीं रहने के कारण मुसाफिरों को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है;

(घ) क्या सरकार केन्द्रीय सरकार से यह सिफारिश करना चाहती है कि दोनों स्टेशनों पर विश्रामागारों एवं नल-कूपों का इन्तजाम यथाशीघ्र कर दिया जाय?

माननीय श्री अब्दुल क्यूम अन्सारी—(क) रेलवे अधिकारियों का कहना है कि नारायणपुर और खरीक बहुत छोटे स्टेशन हैं और व्यापारिक दृष्टिकोण से कोई अधिक महत्त्वपूर्ण नहीं हैं।

(ख) से (घ) उपरोक्त दोनों स्टेशनों में मुसाफिरखाना है, परन्तु विश्रामागार नहीं है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इन स्टेशनों के यात्रिओं की संख्या के लिहाज से विश्रामागार का आयोजन वे हाथ में अभी नहीं ले सकते हैं। नारायणपुर स्टेशन में हाथ से चलनेवाला नल-कूप लगाया जा रहा है और खरीक स्टेशन के लिए नल-कूप का प्रबन्ध रेलवे अधिकारियों के विचाराधीन है।

C—Postponed from the 25th April 1951.

Note—Starred question no. 1073 postponed.

श्री शिवनन्दन राम—क्या यह सही है कि जो पाइप स्टेशनों पर बनाये गये हैं उनमें एक भी वर्किंग औडर में नहीं हैं ?

माननीय श्री अब्दुल क्यूम अंसारी—इसकी खबर नहीं है।

श्री शिवनन्दन राम—क्या सरकार पता लगाने की कृपा करेगी ?

माननीय श्री अब्दुल क्यूम अन्सारी—इसके बारे में रेलवे अधिकारियों को लिखा जायगा।

ओ० टी० रेलवे का छपरा-औरिहार ट्रेन को जारी कराने का प्रबन्ध।

C*१०९६। श्री रामविनोद सिह—क्या माननीय मंत्री, सार्वजनिक निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) ओ० टी० रेलवे, छपरा और औरिहार जंकशनों के बीच रेलगाड़ी आज से कुछ दिन पूर्व चलाई जाती थी वह युद्ध के दिनों बन्द कर दी गई ;

(ख) क्या यह बात सही है कि उस ट्रेन से जो छपरे में ११ बजे रात को पहुंचती थी और दो बजे रात में खुलती थी, छपरा जंकशन से कई दिशा में जाने वाले तथा कई ओर से आने वाले मुसाफिरों को सुविधा मिलती थी ;

(ग) क्या यह बात सही है कि इस ट्रेन के बन्द हो जाने के फलस्वरूप छपरे से बनारस लाइन में सफर करने वाले ६ ट्रेनों के मुसाफिरों को रात भर छपरा स्टेशन पर रहना पड़ता है ?

माननीय श्री अब्दुल क्यूम अन्सारी—(क) और (ख) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(ग) उत्तर स्वीकारात्मक है। परन्तु रेलवे अधिकारियों से मालूम होता है कि ऐसे यात्रियों की संख्या अधिक नहीं है।

श्री नन्दकिशोर नारायण लाल—क्या सरकार के पास ऐसी कोई रिपोर्ट है जिसमें यात्रियों की संख्या दी गई है ?

माननीय श्री अब्दुल क्यूम अन्सारी—सरकार के पास रिपोर्ट तो नहीं है ; लेकिन रेलवे अधिकारियों ने ऐसा बताया है।

श्री नन्दकिशोर नारायण लाल—क्या सरकार को मालूम है कि ११ बजे रात के बाद सात ट्रेनें वहां आती हैं और यात्रियों को ट्रेन नहीं होने की वजह रात भर रुकना पड़ता है और वहां बराबर चोरियां हुआ करती हैं ?

माननीय श्री अब्दुल क्यूम अन्सारी—सरकार को यह नहीं मालूम है।

श्री नन्दकिशोर नारायण लाल—क्या सरकार इसकी जांच करायेगी ?

C—Postponed from the 25th April 1951.